THINK IAS JOIN SAMYAK

Samyak

An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

1 एवं 2 सितम्बर

9875170111

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

कला और संस्कृति

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तिरुचि जिले में मंदिर की दीवारों पर पुराने पत्थर के शिलालेखों की नकल कर रहा है

सुर्खियों में क्यों ?

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने **तमिलनाडु के तिरुचि और थेनी जिलों** में मंदिर की दीवारों से **प्राचीन पत्थर के शिलालेखों की नकल** करने की परियोजना शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य इन शिलालेखों में उत्कीर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है, जिससे क्षेत्र के अतीत के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिल सके।
- इन शिलालेखों को सावधानीपूर्वक मैपलिथो कागजों पर कॉपी किया जा रहा है, ताकि आगे के अध्ययन के लिए सटीक विवरण एकत्र किया जा सके।
- तिरुवासी मंदिर के शिलालेख के प्रारंभिक अध्ययन से पता चला कि यह **कुलोथुंगा चोल काल** का था।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ बिहार के नालंदा में गुरु पद्मसंभव के जीवन और विरासत पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करेगा

सुर्खियों में क्यों ?

- अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) और नव नालंदा महाविहार के सहयोग से बिहार के नालंदा में हाल ही में गुरु पद्मसंभव के जीवन और उनकी विरासत पर एक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन हिमालय क्षेत्र में बुद्ध धम्म के प्रसार में गुरु पद्मसंभव के योगदान को उजागर करने का एक प्रयास है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ

- **इसका विवरण:** यह एक बौद्ध छत्र निकाय है जिसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में है और जो दुनिया भर के बौद्धों के लिए एक साझा मंच है।
- **सदस्य:** इसमें 39 देशों के 320 से अधिक संगठन शामिल हैं, जिनमें मठवासी और आम लोग दोनों शामिल हैं।

गुरु पद्मसंभव/ गुरु रिनपोछे

- **इनका विवरण:** वे आठवीं शताब्दी में प्राचीन भारत में रहते थे और उन्हें हिमालय क्षेत्र में बुद्ध धम्म के प्रचार के लिए जाना जाता है। उन्हें वज्रयान परंपरा के संस्थापक और दूसरे बुद्ध के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।
- **भूमिका:**
  - तिब्बती बौद्ध धर्म के संस्थापकों में से एक माने जाते हैं, जो 749 ई. में तिब्बत में प्रकट हुए थे
  - भारत, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश और तिब्बत में स्थित क्षेत्रों में भगवान बुद्ध के संदेश का प्रसार किया।
  - एक तांत्रिक और योगाचार संप्रदाय के सदस्य
  - भारत में बौद्ध अध्ययन के केंद्र नालंदा में अध्यापन किया।
  - योगिक और तांत्रिक प्रथाओं को ध्यान, कला, संगीत, नृत्य, जादू, लोकगीत और धार्मिक शिक्षाओं में एकीकृत किया।

समाज

क्या पॉलीग्राफ परीक्षण कानूनी रूप से वैध हैं?

सुर्खियों में क्यों ?

- केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल ही में कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक रेजिडेंट डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के सिलसिले में सात लोगों पर दूसरी बार पॉलीग्राफ परीक्षण किया।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

पॉलीग्राफ परीक्षण

- **सिद्धांत:** यह इस आधार पर संचालित होता है कि जब कोई व्यक्ति झूठ बोलता है तो उसकी शारीरिक प्रतिक्रियाएँ सत्य बोलने पर होने वाली प्रतिक्रियाओं से भिन्न होती हैं।
- **तंत्र:** संदिग्ध व्यक्ति से प्रश्न पूछे जाने पर रक्तचाप, नाड़ी दर, श्वसन, पसीने की ग्रंथि की गतिविधि और रक्त प्रवाह जैसे मापदंडों को मापने के लिए कार्डियो-कफ़ या संवेदनशील इलेक्ट्रोड जैसे उपकरण लगाए जाते हैं।
- प्रतिक्रिया के आधार पर **परिणाम:** प्रत्येक प्रतिक्रिया को एक संख्यात्मक मान दिया जाता है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ।

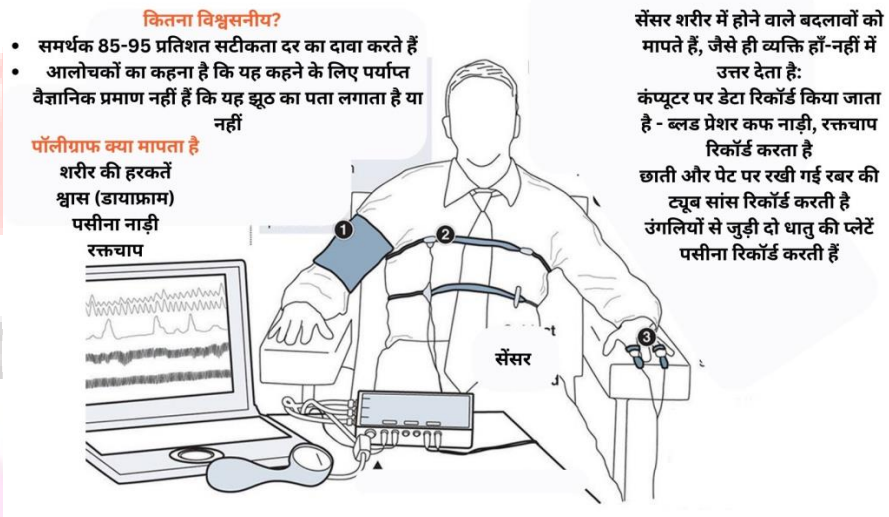

पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए दिशा-निर्देश

सेल्वी एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य एवं अन्य (2010) में, सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि:

- पॉलीग्राफ टेस्ट केवल अभियुक्त की सहमति से ही किया जा सकता है।
- अभियुक्त को कानूनी परामर्श तथा परीक्षण के शारीरिक, भावनात्मक और कानूनी निहितार्थों की विस्तृत व्याख्या उपलब्ध होनी चाहिए।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा वर्ष 2000 में जारी पॉलीग्राफ परीक्षण के लिए दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।
- अभियुक्त की सहमति को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दस्तावेजित किया जाना चाहिए।
- स्वेच्छा से सहमति प्राप्त पॉलीग्राफ परीक्षण के माध्यम से प्राप्त कोई भी साक्ष्य या जानकारी न्यायालय में स्वीकार की जा सकती है।

एकीकृत पेंशन योजना में बदलाव

सुर्खियों में क्यों ?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए पेंशन प्रावधानों में एक महत्वपूर्ण बदलाव को मंजूरी दे दी है, जिससे 1 अप्रैल, 2025 को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस निर्णय का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों की उनकी सेवानिवृत्ति आय सुरक्षा के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करना है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

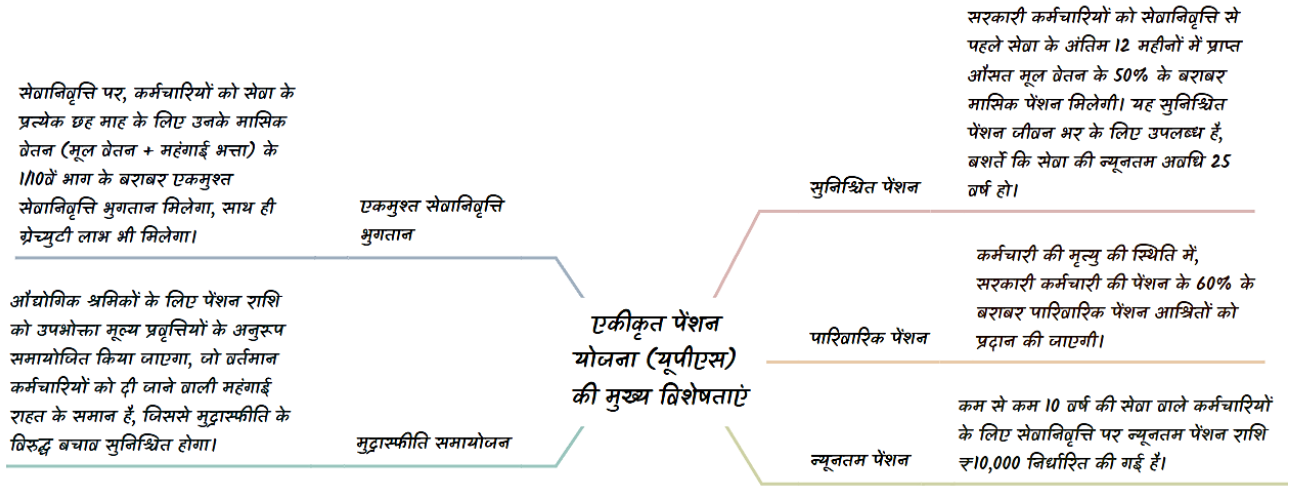

राजव्यवस्था

सर्वोच्च न्यायालय ने औषधि अधिनियम के नियम 170 को लेकर आयुष मंत्रालय की आलोचना की

सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में पतंजलि आयुर्वेद से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई में जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता ने आयुष मंत्रालय को 1 जुलाई की अधिसूचना के लिए फटकार लगाई, जिसमें राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के नियम 170 के तहत कोई भी कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया गया था।
- इस कदम ने विवाद को जन्म दिया है और भारत में पारंपरिक चिकित्सा विज्ञापनों के विनियमन के बारे में सवाल उठाए हैं।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

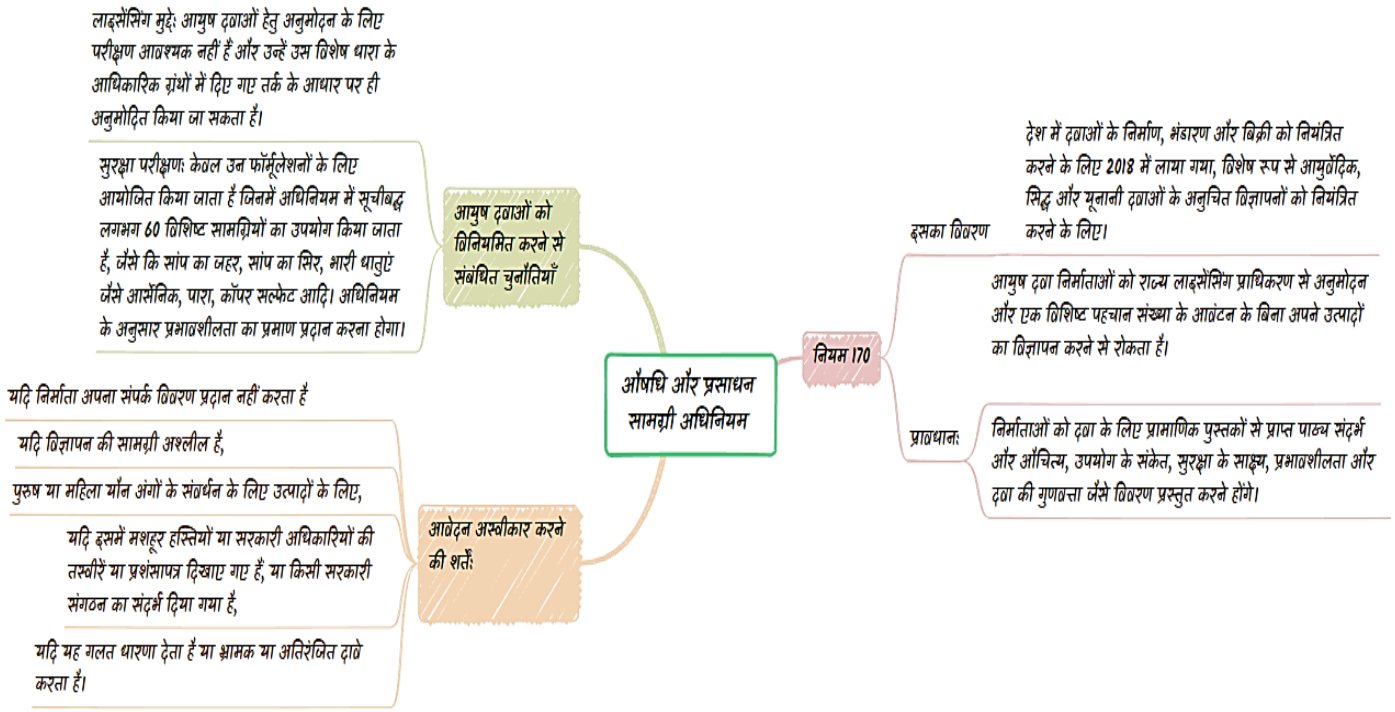

वैश्विक मामले

प्रशांत द्वीप समूह फोरम के सदस्यों ने संयुक्त पुलिसिंग पहल का समर्थन किया

सुर्खियों में क्यों ?

- तालिबान ने हाल ही में "सद्गुण के प्रचार और बुराई की रोकथाम" पर एक नए कानून की घोषणा की है, जो अफ़गान समाज पर शरिया कानून की अपनी सख्त व्याख्या को लागू करता है।
- यह कानून महिलाओं पर गंभीर प्रतिबंध लगाता है, जिसमें उनके शरीर के किसी भी अंग को दिखाने, आवाज़ निकालने और कई दैनिक गतिविधियों पर प्रतिबंध शामिल हैं।
- संयुक्त राष्ट्र सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने इन उपायों की निंदा दमनकारी और असहनीय के रूप में की है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

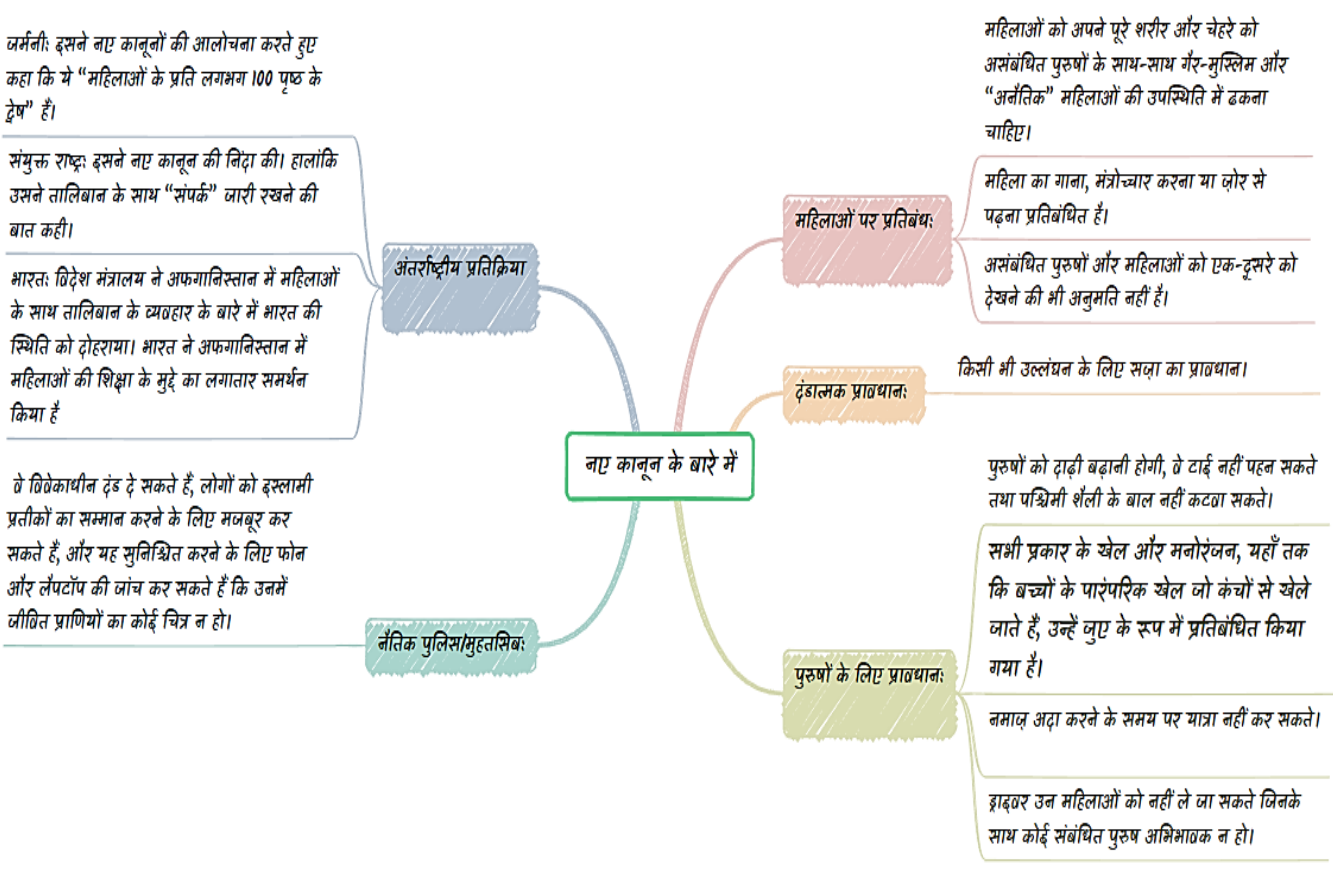

अर्थव्यवस्था

केंद्र सरकार '2जी इथेनॉल' उत्पादन को बढ़ावा देने, आयात कम करने के लिए एंजाइम-निर्माण सुविधाएं स्थापित करने की योजना बना रही है

सुर्खियों में क्यों ?

- भारत सरकार अपनी **नई बायोई3 नीति** के तहत देश में इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए **समर्पित एंजाइम विनिर्माण संयंत्र** स्थापित करने की योजना बना रही है।
- पहला एंजाइम विनिर्माण संयंत्र **हरियाणा के मानेसर** में स्थापित किए जाने की संभावना है, जो उत्तर प्रदेश, पंजाब में प्रस्तावित 2जी बायो-इथेनॉल संयंत्रों और हरियाणा के पानीपत में मौजूदा संयंत्र को एंजाइम की आपूर्ति करेगा।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

BioE3 (बायोटेक्नॉलॉजी फॉर इकॉनमी, एनवायरनमेंट एंड एंप्लॉयमेंट) नीति

- **नोडल विभाग:** जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- **उद्देश्य:**
  - उच्च-प्रदर्शन वाले जैव-विनिर्माण को बढ़ावा देना।
  - विषयगत क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास और उद्यमिता के लिए नवाचार-संचालित समर्थन को शामिल करना।
  - बायोमैन्युफैक्चरिंग और बायो-एआई हब और बायोफाउंड्री की स्थापना करके प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण।
  - भारत के कुशल कार्यबल के विस्तार को सुविधाजनक बनाना और रोजगार सृजन में वृद्धि प्रदान करना।
- **रणनीतिक/विषयगत क्षेत्र:**
  - उच्च मूल्य वाले जैव-आधारित रसायन;
  - बायोपॉलिमर और एंजाइम;
  - स्मार्ट प्रोटीन और कार्यात्मक खाद्य पदार्थ;
  - परिशुद्धता जैवचिकित्सा;
  - जलवायु अनुकूल कृषि; कार्बन कैप्चर और उसका उपयोग;
  - समुद्री एवं अंतरिक्ष अनुसंधान

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मुकदमेबाजी को कम करने के लिए ई-डिस्प्यूट रेजोल्यूशन स्कीम (ई-डीआरएस), 2022 शुरू की

सुर्खियों में क्यों ?

- आयकर अधिनियम, 1961 (जिसे इसके बाद "अधिनियम" कहा जाएगा) में धारा 245 एमए के अनुसरण में, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मुकदमेबाजी को कम करने और पात्र करदाताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से ई-डिस्प्यूट रेजोल्यूशन स्कीम, 2022 (ई-डीआरएस) को अधिसूचित किया था।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

योजना के बारे में

- **उद्देश्य:** सरकार का उद्देश्य कर विवादों को कम करना और विवाद समाधान की प्रक्रिया को पारदर्शी और तेज़ बनाना है।
- **संबंधित अधिनियम:** आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 245MA के तहत
- **प्रावधान:** यह करदाताओं को विवाद समाधान समितियों (डीआरसी) के माध्यम से विवादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से हल करने में मदद करेगा।
- **पात्रता:** करदाता उन मामलों में आवेदन कर सकते हैं जिनमें विवादित राशि 10 लाख रुपये से अधिक नहीं है और संबंधित कर निर्धारण वर्ष के लिए घोषित आय 50 लाख रुपये से अधिक नहीं है। साथ ही, यह आदेश धारा 90 या 90ए के तहत किसी समझौते के तहत किए गए खोज/सर्वेक्षण या सूचना पर आधारित नहीं होना चाहिए।
- **नोट:** विवाद में खोज या अंतर्राष्ट्रीय समझौतों की जानकारी शामिल नहीं होनी चाहिए।
- **डीआरसी:** देशभर में सभी 14 पीआर.सीसीआईटी (प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त) क्षेत्रों में डीआरसी (विवाद समाधान समिति) का गठन किया गया है। वे आदेशों को संशोधित कर सकते हैं, दंड कम कर सकते हैं, या अभियोजन से छूट दे सकते हैं। उन्हें आवेदन प्राप्त होने के छह महीने के भीतर निर्णय लेना आवश्यक है।

विश्व स्वर्ण परिषद ने 2024 में भारत में सोने की खपत का अनुमान बढ़ाकर 850 टन किया

सुर्खियों में क्यों ?

- विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने 2024 में भारत में सोने की खपत के अपने अनुमान को 750 टन से बढ़ाकर 850 टन कर दिया है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

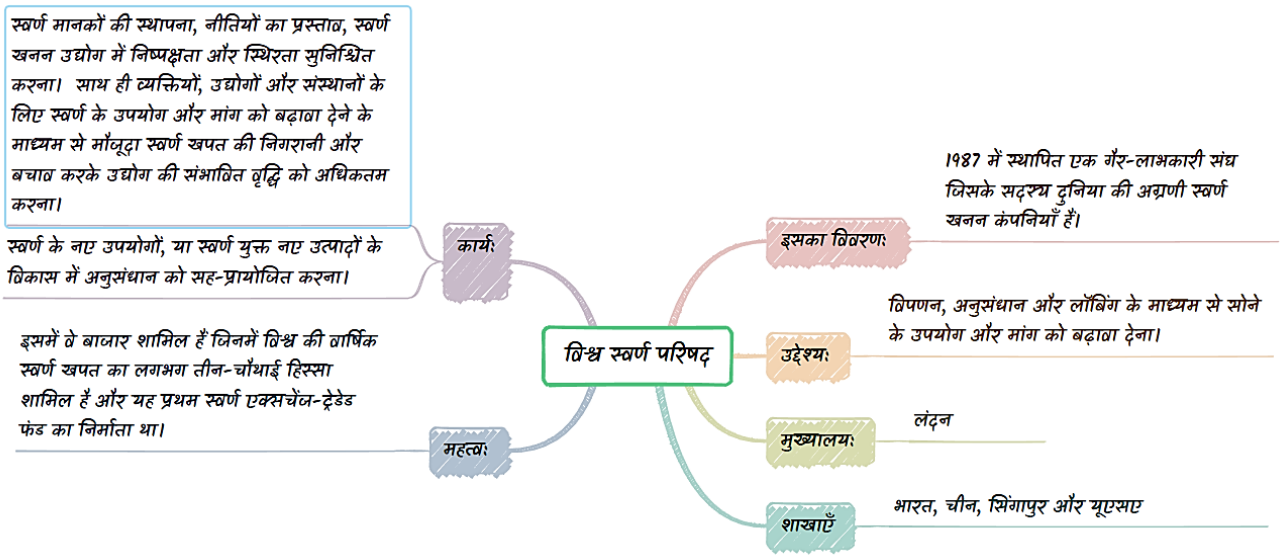

व्यापार मंत्रालय ने चीनी एल्युमीनियम फॉयल आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा

सुर्खियों में क्यों ?

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने चीन से आयातित एल्युमीनियम फॉयल पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है।
- यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब चीन से आने वाले बढ़ते शिपमेंट ने भारत के बाजार हिस्से का लगभग एक तिहाई हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि स्थानीय उत्पादन क्षमता पर्याप्त है।
- इस सिफारिश का उद्देश्य घरेलू एल्युमीनियम फॉयल उद्योग को अनुचित व्यापार प्रथाओं और सस्ते आयातों से होने वाली संभावित क्षति से बचाना है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

डंपिंग रोधी शुल्क

- **इसका विवरण :** एक संरक्षणवादी शुल्क है जिसे घरेलू सरकार विदेशी आयातों पर लगाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी कीमत उचित बाजार मूल्य से कम है।
- **डम्पिंग (Dumping):** एक प्रक्रिया जिसमें कोई कंपनी किसी उत्पाद को ऐसे मूल्य पर निर्यात करती है जो उसके घरेलू बाजार में सामान्यतः लगाए जाने वाले मूल्य से काफी कम होता है।
- **महत्व:**
  - स्थानीय व्यवसायों और बाजारों को विदेशी आयातों द्वारा अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए लागू किया जाता है ।
  - डंपिंग के व्यापार विकृत प्रभाव को सुधारने और निष्पक्ष व्यापार को फिर से स्थापित करने के लिए।'

- निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का एक साधन जिसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा अनुमति दी गई है।
- नकारात्मक प्रभाव: घरेलू उपभोक्ताओं के लिए उच्च कीमतों का कारण भी बन सकता है।

मास्टरकार्ड ने भुगतान पासकी सेवा की विश्वव्यापी शुरुआत के लिए भारत को चुना

सुर्खियों में क्यों ?

- भुगतान उद्योग में वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मास्टरकार्ड हाल ही में ऑनलाइन शॉपिंग को पहले से अधिक सुरक्षित और आसान बनाने के लिए अपनी नई भुगतान **पासकी सेवा** के विश्वव्यापी शुभारंभ की घोषणा की।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

भुगतान पासकी सेवा

- **इसका विवरण:** यह डिवाइस-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विधियों जैसे कि फिंगरप्रिंट या चेहरे के स्कैन का उपयोग करता है और ग्राहकों को लेनदेन प्रबंधन के लिए गैर-ओटीपी-आधारित समाधान प्रदान करता है।
- **कार्य:** जब उपयोगकर्ता पहली बार किसी खाते में साइन इन करते हैं, तो उनका डिवाइस पासकी की एक जोड़ी बनाता है:
  - सार्वजनिक पासकी: पासकी को मान्य करने के लिए वेबसाइट के साथ साझा की जाती है
  - निजी पासकी: अपने खाते तक पहुंचने के लिए पासकी को अनलॉक करने हेतु डिवाइस पर।
- **लाभ:**
  - लेन-देन को तेज़ बनाता है, धोखाधड़ी और घोटालों के खिलाफ़ अधिक सुरक्षित बनाता है
  - ई-कॉमर्स लेनदेन के दौरान कार्डधारकों को स्वयं को प्रमाणित करने का एक सुरक्षित और आसान तरीका प्रदान करना।

पर्यावरण

गप्पी मछली

सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में किए गए एक अध्ययन में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले अवसादरोधी फ्लुओक्सेटीन (प्रोज़ैक) के लंबे समय तक संपर्क के कारण नर गप्पी मछली के व्यवहार और प्रजनन लक्षणों पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों का खुलासा किया गया है।
- इस शोध में जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में दवा प्रदूषण के व्यापक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है।

गप्पी मछली

- ***इसका विवरण*** : घरेलू एक्वैरियम के लिए लोकप्रिय मछली की छोटी उष्णकटिबंधीय मीठे पानी की प्रजातियाँ।
- ***प्रजनन***: लैंगिक रूप से द्विरूपी, जिसका अर्थ है कि प्रजाति के नर और मादा के बीच स्पष्ट अंतर हैं।
- ***स्वरूप***: काले, हरे, नारंगी, लाल, सफेद और पीले रंग के चमकीले शेड्स और धब्बे और धारियों के पैटर्न।
- ***क्षेत्र***: दक्षिण अमेरिका के कुछ देशों और द्वीपों के मूल निवासी: एंटीगुआ और बारबुडा, बारबाडोस, ब्राजील, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, और वेनेजुएला।

भयंकर सूखे के बीच नामीबिया का जंगली जानवरों को मारने का निर्णय

सुर्खियों में क्यों ?

- नामीबिया ने देश में भयंकर सूखे के कारण अपने सैकड़ों जंगली जानवरों को मारने की योजना की घोषणा की है। पर्यावरण, वानिकी और पर्यटन मंत्रालय द्वारा घोषित इस निर्णय का उद्देश्य वन्यजीवों और मानव आबादी दोनों पर सूखे के प्रभावों का प्रबंधन करना है। जानवरों को मारने से स्थानीय उपभोग के लिए मांस उपलब्ध होगा और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा।।

नामीबिया में सूखा

- ***नामीबिया का स्थान***: यह सूखाग्रस्त दक्षिणी अफ्रीका में स्थित है, और यहां अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं।
- ***शुरुआत***: अक्टूबर 2023 में बोत्सवाना में सूखे की शुरुवात हुई, जो अंगोला, जाम्बिया, जिम्बाब्वे और नामीबिया में फैल गया।
- ***जिम्मेदार कारक***: एल नीनो, दुनिया के कई हिस्सों और महासागरों में अत्यधिक गर्मी और सूखे से जुड़ा एक मौसम का पैटर्न, मिट्टी में आद्रता की कमी और वनस्पति पर तनाव सूखे का कारण बना।
- ***जलवायु परिवर्तन का प्रभाव***: जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, सूखा और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाएँ अधिक लगातार और तीव्र हो गई हैं।

सूखे का प्रभाव

- ***खाद्य उपलब्धता में कमी***: सूखे के कारण मक्का जैसी मुख्य फसलें नष्ट हो गई हैं, पशुओं की मृत्यु दर में वृद्धि हुई है और खाद्य भंडार में भारी कमी आई है। देश के लगभग 84% खाद्य भंडार समाप्त हो गए हैं, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ गई हैं और भोजन तक पहुँच सीमित हो गई है।
- ***पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में गंभीर कुपोषण***: कुछ क्षेत्रों में मृत्यु की सूचना मिली है।

- ***सूखे के कारण महिलाओं की बढ़ती हुई भेद्यता:*** *चूंकि महिलाओं और लड़कियों को भोजन और पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, इसलिए उनके लिंग आधारित हिंसा का शिकार होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।*

जंगली जानवरों को मारने का प्रभाव

- *सूखे के कारण जानवरों को भोजन और पानी की तलाश में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ता है; इससे उनका मानव आबादी के साथ संघर्ष होना संभव है।*
- *मारने का उद्देश्य सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में चराई के दबाव और पानी के लिए प्रतिस्पर्धा को कम करने के लिए जंगली जानवरों की संख्या को नियंत्रित करना है।*

पोबा आरक्षित वन

सुर्खियों में क्यों ?

- *असम के धेमाजी जिले में पोबा आरक्षित वन को जल्द ही एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया जाएगा, जो राज्य में संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देगा।*

पोबा आरक्षित वन

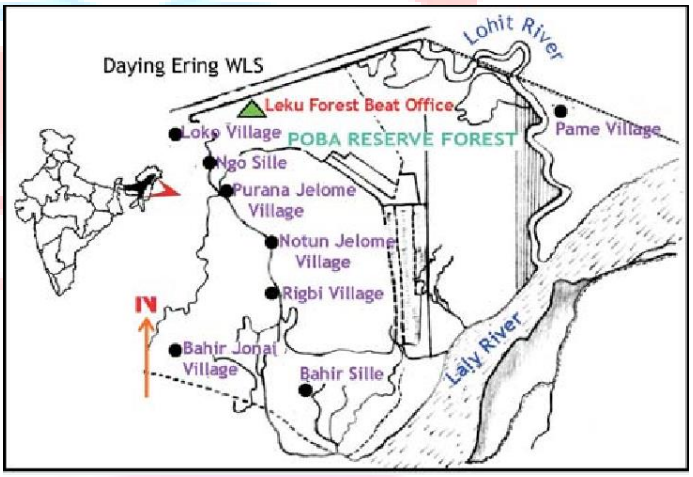

- ***विवरण:*** *असम के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित 1924 में अधिसूचित वर्षावन।*
- ***क्षेत्र:*** *~10,221 हेक्टेयर।*
- ***सीमाएँ:***
  - ***उत्तर:*** *अरुणाचल प्रदेश में हिमालय पर्वतमाला की तलहटी;*
  - ***पूर्व और दक्षिण:*** *सियांग, दिबांग और लोहित नदियाँ ब्रह्मपुत्र में मिल जाती हैं;*
  - ***पश्चिम:*** *असम के धेमाजी जिले के जोनाई उप-मंडल के राजस्व गाँव।*
- ***जनजातियाँ:*** *मिसिंग, बोडो, सोनोवाल कचारी, और हाजोंग (राभा)।*
- ***महत्व:***
  - *वनस्पतियों और जीवों की दृष्टि से उत्तर-पूर्व भारत के सबसे समृद्ध वर्षा वनों में से एक।*
  - *स्लो लोरिस, कैप्ड लंगूर और जंगली सूअर जैसी प्रजातियों का घर।*
  - *पक्षियों और सरीसृपों की लगभग 45 प्रजातियों का आवास*
  - *सियांग और लोहित नदियों का संगम स्थल विभिन्न मछली प्रजातियों का घर है।*
  - *ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तर से दक्षिणी तट तक हाथियों के प्रवास का दूसरा महत्वपूर्ण मार्ग, अन्य पानपुर-कानीरंगा मार्ग है।*

ओडिशा ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मंजूरी से सतकोसिया में 12 बाघ लाने की योजना बनाई

सुर्खियों में क्यों ?

- सतकोसिया बाघ अभ्यारण्य में देश के पहले बाघ के पुनर्वास की परियोजना को निलंबित करने के साढ़े चार साल बाद, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) ने राज्य सरकार को कार्यक्रम फिर से शुरू करने के लिए मंजूरी दे दी है।

सतकोसिया बाघ अभ्यारण्य

- **अवस्थिति**: ओडिशा में अंगुल, कटक, बौंध और नयागढ़ जिलों में।
- **2 निकटवर्ती अभयारण्य**: बाइसिपल्ली अभयारण्य और सतकोसिया गॉर्ज अभयारण्य।
- **क्षेत्र**: 1136.70 वर्ग किमी (मुख्य क्षेत्र के रूप में 523.61 वर्ग किमी)।
- **2 जैव-भौगोलिक क्षेत्रों का संगम**: दक्कन प्रायद्वीप एवं पूर्वी घाट।
- **स्थलाकृति**: पहाड़ी, मध्यम से तीव्र ढलानों और संकीर्ण घाटियों के साथ।
- **नदी**: महानदी इस अभ्यारण्य के मध्य में घाटियों से होकर बहती है।
- **औसत ऊंचाई**: 37 मीटर - 932 मीटर, सबसे निचला बिंदु कटरांग में और उच्चतम बिंदु सुनाखानिया में है।
- **वनस्पति**: उत्तर भारतीय उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन और नम प्रायद्वीपीय निम्न-स्तरीय साल।
- **वनस्पति**: आसन, धौरा, बांस, और सिमल

अंतर्राष्ट्रीय व्हेल शार्क दिवस

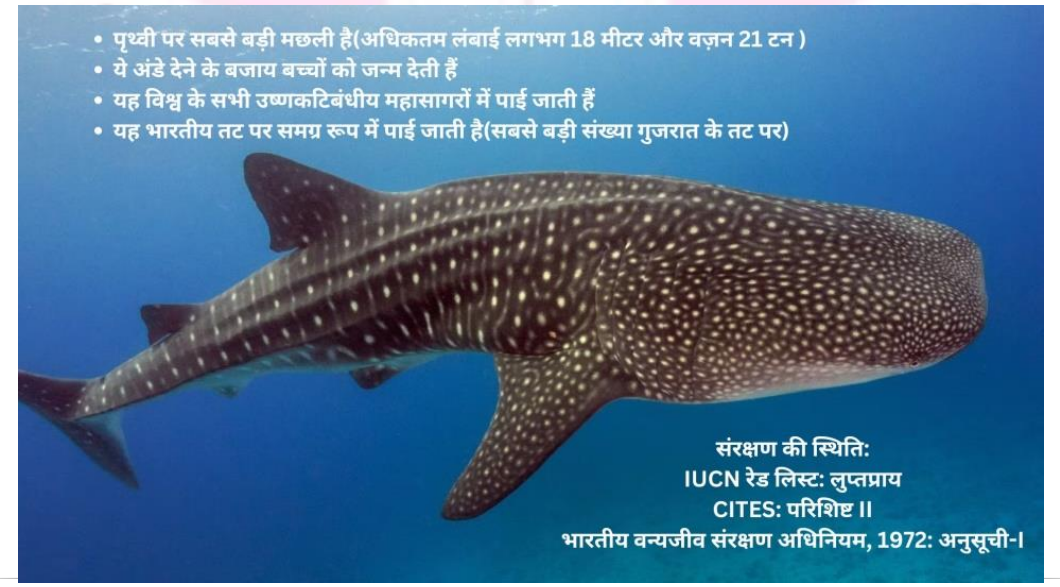

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने से अंतरिक्ष यात्रियों पर क्या असर पड़ेगा

सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में, नासा ने कहा कि बोइंग का स्टारलाइनर क्रू कैप्सूल जो अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर को उनकी प्रथम क्रू परीक्षण उड़ान के रूप में ISS ले गया था, उन्हें वापस लाने हेतु सुरक्षित नहीं था। परिणामस्वरूप, नासा ने विलियम्स और विल्मोर के ISS पर रहने की अवधि को फरवरी 2025 तक बढ़ा दिया।

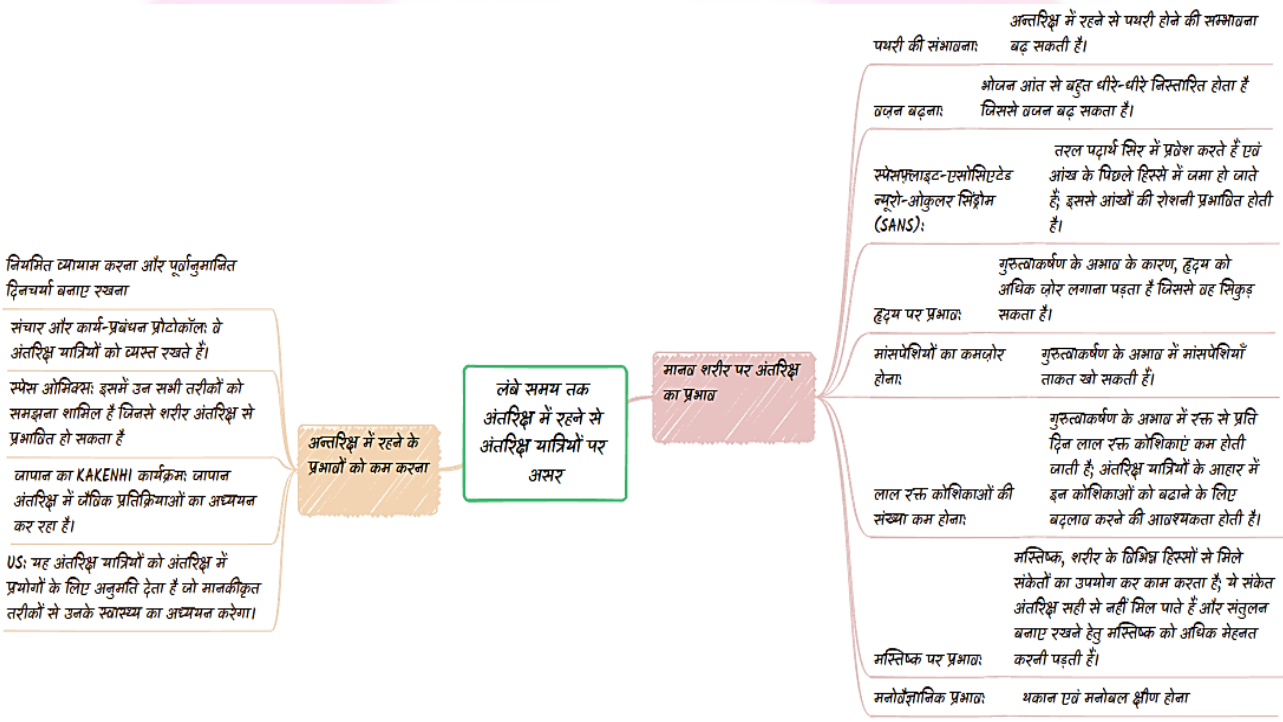

सी. एलिगेंस

- **विवरण:** एक निमेटोड कृमि जो छोटा, अपेक्षाकृत सरल, तथा सटीक संरचना वाला जीव है।
- **गर्भाधान:** एक निषेचित अंडे से एक मिलीमीटर लंबे वयस्क में रूपान्तरण में 3-5 दिन लगते हैं।
- **महत्व:** न्यूरोनल और आणविक जीव विज्ञान को समझने के लिए अनुसंधान में उपयोगी ; यह

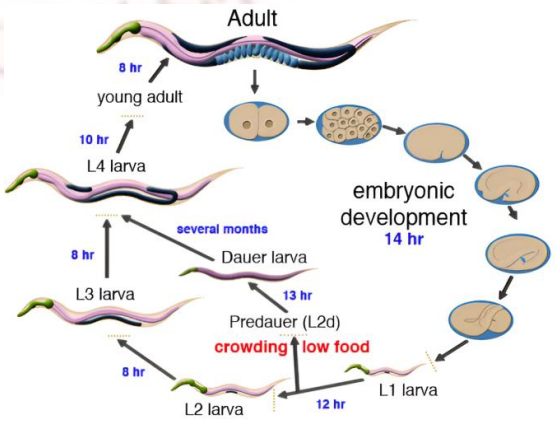

पहला बहुकोशिकीय जीव है जिसका पूर्ण जीनोम अनुक्रम और तंत्रिका प्रणाली जांचा जा चुका है।

- **विशेषताएँ:** एक उभयलिंगी

नैनो पॉलिमर

सुर्खियों में क्यों ?

- धात्विक- कार्बनिक संरचना (मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क -MOF) और द्वि- आयामी (2D) सामग्रियां नामक नैनो पॉलिमर सामग्रियों के एक नए समूह की सहायता से विकसित किए गए नवीन विद्युत रासायनिक (इलेक्ट्रोकेमिकल) और प्रकाशिक (ऑप्टिकल) सेंसर का उपयोग कई स्वास्थ्य, खाद्य गुणवत्ता और पर्यावरणीय मानक (पैरामीटर) की तेजी से और सुविधाजनक पहचान के लिए किया जा सकता है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

- **धात्विक-** कार्बनिक संरचना
- **विवरण:** ठोस-चरण निष्कर्षण के लिए उपयुक्त एकसमान संरचित झरझरा सामग्री।
- **द्वि- आयामी (2D) सामग्री:** द्वि-आयामी पदार्थ कुछ नैनोमीटर या उससे कम मोटाई वाले पदार्थ होते हैं।।
- **MOF और 2D सामग्री की विशेषताएं:**
  - बड़ा सतही क्षेत्र, अधिक कार्यक्षमता और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक गुण ।
  - संश्लेषण विधियों की एक विस्तृत श्रृंखला
  - निस्तारण योग्य इलेक्ट्रोड, ऑप्टिकल किट, फाइबर ऑप्टिक सेंसर, कलरिमेट्रिक स्ट्रिप्स आदि में ढाला जा सकता है।

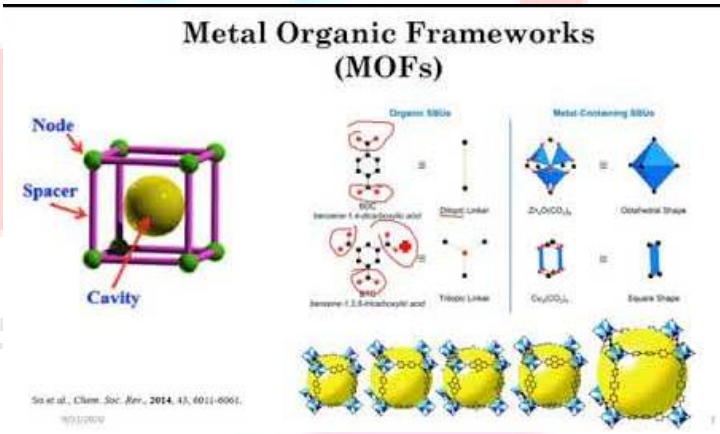

- **अनुप्रयोग:**
  - बैक्टीरिया, एफ्लाटॉक्सिन और भारी धातुओं के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल और ऑप्टिकल सेंसर विकसित करना।
  - स्वास्थ्य, भोजन गुणवत्ता और पर्यावरणीय मापदंडों को जांचना।
  - पानी, दूध और मुख्य खाद्य पदार्थों के नमूनों में एफ्लाटॉक्सिन और क्लेरालोइन जैसे विषाक्त पदार्थों का पता लगाना ।

केंद्र आठ राज्यों में खुरपका - मुंहपका रोग -मुक्त क्षेत्र स्थापित करेगा

सुर्खियों में क्यों ?

- *केंद्र सरकार ने भारतीय पशु उत्पादों के निर्यात के अवसरों का विस्तार करने और देश की वैश्विक बाजार में उपस्थिति बढ़ाने के लिए आठ राज्यों में (कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात) खुरपका - मुंहपका रोग मुक्त क्षेत्र स्थापित करने का निर्णय लिया है।*

आंध्र प्रदेश के विजाग में रासायनिक यौगिक के रिसाव से पांच लोग बेहोश

सुर्खियों में क्यों ?

- *हाल ही में श्रवण शिपिंग गोदाम में एसीटैनिलाइड बैग (एक क्रिस्टलीय पाउडर) से हुए रिसाव से पांच लोग बेहोश हो गए ।*

एसीटैनिलाइड /N -फिनाइलएसिटैमाइड/ एसिटैनिल

- **विवरण:** C8H9NO आणविक सूत्र वाला एक सिंथेटिक कार्बनिक यौगिक, एक सफेद, गंधहीन ठोस पदार्थ जिसे 1886 में बुखार कम करने वाली दवा के रूप में चिकित्सा हेतु प्रयोग किया गया था।
- **उपयोग:** दर्द निवारण, सिरदर्द, मासिक धर्म और गठिया जैसी बिमारियों में दर्द कम करने हेतु प्रयोग
- **दुष्प्रभाव:** यह रक्त के ऑक्सीजन ले जाने वाले हीमोग्लोबिन के कार्य को बाधित करता है।
- **अनुप्रयोग:** रंग, रबर और अन्य रसायनों के उत्पादन में एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ के रूप में प्रयोग में लिया जाता है

रक्षा क्षेत्र

भारतीय सेना ने प्रोजेक्ट NAMAN लॉन्च किया

सुर्खियों में क्यों ?

- भारतीय सेना ने हाल ही में प्रोजेक्ट NAMAN का पहला चरण लॉन्च किया है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य